

प्र० पक्षः
दि० पक्षः } उपस्थित

पुनः प्रथम पक्ष का लिखित वाक्य
पिठा० पठा० अन्य अर्थ में वास्तु | दि०- 23/9/22 श्री लला

23/9/22

(द्वितीय पक्ष उपस्थित
पिठा० पठा० वास्तु दिनांक 28/9/22

28/9/22

प्र० पक्षः वडावातन हाजिर
दि० पक्षः उपस्थित
काल नावित हो जाना के कारण पक्ष अ
नाशित समझा जा रही है।

दि० 28/9/22